शैक्षिक सत्र–2026–27
(22) ट्रेड––बैंकिंग
कक्षा–11

पाठ्यक्रम की उपयोगिता––

बैंकिंग धाराओं के अध्ययन के उपरान्त छात्र निम्न प्रकार के रोजगार प्राप्ति करता है––

(1) क्लर्क, (2) रोकड़िया, (3) लिपिक तथा रोकड़िया, (4) गोदाम संरक्षक, (5) लिपिक तथा गोदाम संरक्षक, (6) रोकड़िया तथा गोदाम संरक्षक, (7) लिपिक तथा टाइपिस्ट।

उद्देश्य––

वर्तमान परिस्थितियों में छात्रों का बैंकिंग के सैद्धान्तिक ज्ञान का होना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु उसे व्यावहारिक ज्ञान की भी अति आवश्यकता है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुये बैंकिंग के मूलभूत सिद्धान्त के अतिरिक्त छात्रों की बैंकिंग सेवा के लिये तैयार करना भी है। रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर होने में यह कदम सहायक सिद्ध होगा।

पाठ्यक्रम––

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा :

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
(क) सैद्धान्तिक––				
प्रथम प्रश्न–पत्र–बहीखाता तथा लेखा शास्त्र––I	60		20	
द्वितीय प्रश्न–पत्र–बहीखाता तथा लेखाशास्त्र––II	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र––व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन	60	300	20	100
चतुर्थ प्रश्न–पत्र––बैंकिंग	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र––बैंकिंग	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक––	400		200	

टीप––परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

प्रथम प्रश्न–पत्र
(बहीखाता तथा लेखाशास्त्र–I)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––लेखांकन सिद्धान्त––प्रत्यय तथा अवधारणा, दोहरा लेखा प्रणाली का सिद्धान्त। 10

2––प्रारम्भिक लेखा की पुस्तकें तथा खाता–बही खाता–बहियों में खतौनी की विधि– तलपट तैयार करना त्रुटियाँ एवं उनका सुधार। 10

3––रोकड़–पुस्तक––चेक सम्बन्धी लेखे, बैंक समाधान विवरण। 10

4––विनिमय विपत्र सम्बन्धी सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक ज्ञान तथा सम्बन्धी लेखे। 10

5––अन्तिम खातों को तैयार करना––समायोजनाओं सहित व्यापार एवं लाभ–हानि खाता तथा आर्थिक चिट्ठा तैयार करना। 20

द्वितीय प्रश्न–पत्र
(बहीखाता तथा लेखाशास्त्र––II)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––कम्पनी खाते–– अंशों का निर्गमन तथा अपहरण, बोनस, अंश ऋण पत्रों का निर्गमन एंव शोधन कम्पनी से अन्तिम खाते (कम्पनी अधिनियम, 1956 के अनुसार)। 10

2––गैर व्यापारिक संस्थाओं के खाते––प्राप्ति तथा भुगतान खाते, आय–व्यय खाते, अन्तिम खाते। 20

3––ह्रास परिभाषा––ह्रासित करने की विभिन्न पद्धतियाँ। 20

4––संचय (प्रावधान) और कोष। 10

तृतीय प्रश्न–पत्र
व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––व्यावसायिक संगठन––अर्थ, उद्देश्य, महत्व–– 10

2––व्यावहारिक संगठन के प्रारूप––एकल व्यवसाय, साझेदारी, संगठन संयुक्त स्कन्ध, कम्पनी एवं सहकारी भण्डार, सार्वजनिक उपक्रम। 20

3––कार्यालय संगठन––अर्थ, महत्व एवं कार्य, एक अच्छे संगठन के महत्वपूर्ण तत्व, एक अच्छे कार्यालय के स्थान के चुनाव के मुख्य तत्व, कार्यालय के विभाग। 10

4––कार्यालय कार्य विधि––विवरण, लेटी एवं खड़ी फाइल, अनुक्रमणिका, विज्ञापन एवं विक्रय कला (कार्य से सम्बन्धित संक्षिप्त आख्या लेखन)। 20

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
बैंकिंग

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––बैंक––परिमाण, संगठन एवं प्रबन्ध, कार्य, महत्व, भेद। 12

2––बैंक द्वारा साख निर्माण। 12

3––बैंकों की कार्य प्रणाली––बैंकों में खाता खोलने की विधि, बचत खाता, सावधि खाता, चालू खाता, गृह बचत खाता, आवृत्ति जमा खाता खोलते समय काम आने वाले प्रपत्र, खातों को बन्द करने की प्रक्रिया, लाकर्स का संचालन, खातों का हस्तान्तरण। 12

4––भारत की वर्तमान मुद्रा प्रणाली। 12

5––बैंकों में धोखाधड़ी एवं बचाव के उपाय। 12

पंचम प्रश्न–पत्र
बैंकिंग

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––भारतीय अधिकोषण––भारतीय बैंकिंग का विकास, बैंकों द्वारा पूंजी प्राप्ति के साधन एवं उसका विनियोजन नकद कोष, ऋण देते समय रखी जाने वाली जमानतें/ऋण देने के नये आयाम एवं प्राथमिकतायें। 15

2––[क, रिजर्व बैंक––संगठन, कार्य, महत्व, सफलताएं एवं असफलताएं, व्यापारिक बैंकों से सम्बन्धी, रिजर्व बैंक एवं कृषि साख, साख नियंत्रण। 16

[ख, स्टेट बैंक––स्थापना के उद्देश्य, संगठन, कार्य महत्च, सफलताएं एवं असफलताएं।

3––विदेशी विनिमय बैंक। 15

4––देशी बैंक, साहूकार एवं महाजन, चिट फण्ड। 14

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

अधिकतम––400 अंक
न्यूनतम––200 अंक

बड़े प्रयोग––

1–दिये गये निर्देशों के अनुसार पत्र तैयार करना, पूछ–ताछ के पत्र निर्ख–पत्र (कोटेशन), आदेश–पत्र, सूचना–पत्र, सन्दर्भ पत्र, क्रय आदेश–पत्र, ग्राहकों को क्रय हेतु प्रेरित करने वाले पत्र, तकादे के पत्र, स्मृति पत्र, शिकायती–पत्र, गश्ती–पत्र, एजेन्सी सम्बन्धी पत्र, बैंक व बीमा सम्बन्धी पत्र, परिचय–पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, सरकारी पत्र, आवेदन–पत्र, साक्षात्कार पत्र, नियुक्ति पत्र।

छोटे प्रयोग––

1–अनुक्रमणिका का निर्माण, चेकों का लिखना, निर्गमन करना एवं निर्गमन रजिस्टर में लेखा करना, चेकों का पृष्ठांकन एवं रेखांकन करना, चेकों की वैधता की जांच करना, पे–इन–स्लिप, विनियम पत्र, प्रतिज्ञा–पत्र, हुण्डी व ट्रेजरी बिलों का लिखना, विभिन्न श्रम संघक–पत्रों का प्रयोग, रेडी–रेकनर द्वारा गणना, बाउचर कैश मेमो जमा तथा नाम पत्र भरना, बीजक, विक्रय विवरण तैयार करना, पत्र प्राप्ति पुस्तक, डाक–व्यय रजिस्टर, प्यून बुक तथा खुदरा रोकड़ बही का लिखना।

(ग) प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु अंक विभाजन

1––

(क) चार बड़े प्रयोग (20+20+20+20) बड़े प्रयोग की सूची के प्रत्येक खण्ड से दो–दो।

(ख) चार छोटे प्रयोग (10+10+10+10) छोटे प्रयोगों की सूची के प्रत्येक खण्ड से दो–दो।

(ग) मौखिकी (40) प्रयोगों की सूची के आधार पर।

(घ) प्रैक्टिकल नोट–बुक एवं विभिन्न प्रपत्रों का संगलन–– 40 अंक।

2––

(क) सत्रीय कार्य (100) अंक––

सत्रीय कार्य का विभाजन––

उपस्थिति अनुशासन	10 अंक
लिखित कार्य	20 अंक
दो वर्षों में पाँच टेस्ट लिये जायेंगे	50 अंक
मौखिकी	20 अंक
योग . .	**100 अंक**

(ख) औद्योगिकी प्रतिष्ठानों द्वारा प्रदत्त श्रेणी के आधार पर––100 अंक।

प्रस्तुत पुस्तकें––

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशन का नाम एवं पता	मूल्य	संस्करण वर्ष
1	2	3	4	5	6
		सर्वश्री––		रु0	
1	बहीखाता तथा लेखा शास्त्र बैंकिंग ग्रुप	सिंह एवं अग्रवाल	भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ	30.00	1888–89
2	मुद्रा एवं बैंकिंग	डा0 श्रीकान्त मिश्र	श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, हास्पिटल रोड, आगरा––3	25.00	1988–89
3	भारतीय मुद्रा तथा बैंकिंग	विजय पाल सिंह	भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ	35.00	1988–89
4	व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन	. .	. .	28.00	1988–89
5	भारतीय मुद्रा बैंकिंग	. .	. .	21.00	1988–89
6	व्यावसायिक बहीखाता	. .	. .	30.00	1988–89

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक

(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।